

प्रेषक,

विजय कुमार ढौंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक: 13 मार्च, 2007

विषय: सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत (75 प्रतिशत केन्द्र पुरोनिधानित योजना) आयोजनागत पक्ष में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, काशीपुर के लिए 24-वृहत निर्माण कार्य हेतु 10 लाख अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 929/डीटीईयू/0202/लेखा/सी0ओ0ई0/ 2006-07, दिनांक 13-2-2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि राज्य में भारत सरकार के सहयोग से संचालित की जा रही सेन्टर आफ एक्सीलेंस योजना (75 प्रतिशत केन्द्र पुरोनिधानित योजना) के अन्तर्गत भारत सरकार के पत्र संख्या : DGET-35(4)(49)/2005/CW UttPCT/CPIU, Dated 22nd Dec, 2006 के द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, काशीपुर के भवन निर्माण हेतु केन्द्रांश के रूप में अवमुक्त रुपये 7.5 लाख तथा उक्त केन्द्रांश के सापेक्ष राज्यांश रुपये 2.5 लाख इस प्रकार कुल रुपये 10 लाख (रुपये दस लाख मात्र) धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त धनराशि को व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही है, कि उक्त मद में आबंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3- भवन निर्माण के संबंध में लोक निर्माण विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

4- उक्त धनराशि भारत सरकार के उपरोक्त समसंख्यक पत्र दिनांक 22-दिसम्बर, 2006 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए व्यय की जाए।

5- उक्त धनराशि को 31/3/2007 तक पूर्ण व्यय करते हुये उपयोगिता तथा उपभोग प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु अनुदान संख्या-16 मुख्य लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण-आयोजनागत-00, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 01-केन्द्रीय

आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें, 0101-योजना आधुनिकीरण एवं सुदृढीकरण (75 प्रतिशत के 0 स0) के अन्तर्गत मानक मद 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा। यह आबंटन निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन के अधीन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, काशीपुर के लिए किया जा रहा है।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 105/वित्त अनु0-5/2007, दिनांक: 08मार्च, 2007 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय

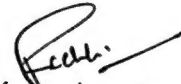
(विजय कुमार ढौंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 157(1)/VIII/07-10-प्रशि0/2006, तददिनांक :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, उधमसिंह नगर।
- 3- अपर सचिव, वित्त-बजट।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- वित्त अनुभाग-5
- 6- नियोजन विभाग।
- 7- अनुसचिव, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को उनके पत्र दिनांक 22-12-06 के क्रम में सूचनार्थ।
- ✓ 8- एन0आई0,सी0 सचिवालय परिसर।
- 9- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(आर0के0 चौहान)
अनुसचिव।